CHAPTER - 1

Basic Banking

1. Budgeting, Saving and Responsible Borrowing

What is a budget?

Put simply, it is a plan of your future income and expenses. Budgets can be yearly, monthly or even weekly.

बजट क्या है?

सीधे शब्दों में कहें तो यह आपके भविष्य की आय और व्यय की एक योजना है। आपका बजट वार्षिक, मासिक अथवा साप्ताहिक भी हो सकता है।

Why prepare a budget at all?

With a budget in hand, you will be able to control your expenses better and save more. Comparing the budget with the actual expenditure will show where you spent more (or less).

बजट बनाएं ही क्यों?

बजट के माध्यम से आप अपने खर्चों को बेहतर ढंग से नियंत्रित कर पाएंगे और अधिक बचत कर पाएंगे। बजट की वास्तविक व्यय से तुलना करने पर पता चलेगा कि आपने कहाँ अधिक (या कम) खर्च किया है।

What is Saving?

It would be a good approach to view Saving as follows:

Saving = Income - Expenditure ✘

Expenditure = Income – Saving ✔

बचत क्या है?

बचत को निम्नलिखित दृष्टिकोण से देखा जा सकता है:

बचत = आय - व्यय ✘

व्यय = आय - बचत ✔

> You should set aside a portion of your income BEFORE you spend anything.
>
> आपको खर्च करने से पहले अपनी आय का एक निश्चित हिस्सा अलग रखना चाहिए

Where to Save?

The three important things that one must keep in mind while Saving are **Safety, Liquidity** and **Return.**

Safety will depend on how certain/guaranteed return of your principal amount or investment from a particular asset are. Government Bonds are the safest. Bank Fixed Deposits are also considered comparatively safe.

Liquidity will depend on how easy it is to sell an asset with minimum loss in value. Bank Deposits, listed and traded Equity Shares and Mutual Funds are considered comparatively more liquid.

Return will be dependent on the type of financial product and the risk that product carries with it. Equity share may give you more returns but may carry higher risk of loss.

कहां बचाएं ?

बचत करते समय तीन महत्वपूर्ण बातें जो ध्यान में रखनी चाहिए वे हैं **सुरक्षा, तरलता** और **प्रतिफल (रिटर्न)**।

सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि किसी विशेष परिसंपत्ति से आपकी मूल राशि या निवेश की राशि कितनी निश्चित / गारंटेड है / सरकारी बांड सबसे सुरक्षित हैं। बैंक सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) को भी तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माना जाता है।

तरलता इस बात पर निर्भर करेगी कि किसी परिसंपत्ति को मूल्य में न्यूनतम हानि के साथ बेचना कितना आसान है। बैंक जमा, सूचीबद्ध और कारोबारबद्ध इक्विटी शेयर और म्यूचुअल फंड तुलनात्मक रूप से अधिक तरल माने जाते हैं।

प्रतिफल (रिटर्न) वित्तीय उत्पाद के प्रकार और उत्पाद के साथ जुड़े जोखिम पर निर्भर करेगा। इक्विटी शेयर आपको अधिक रिटर्न दे सकते हैं लेकिन उसमें नुकसान का जोखिम भी अधिक होता है।

Responsible Borrowing

One should borrow to invest in assets that create value or generate returns. Examples of good borrowing are mortgage loans to buy a house, education loan for funding children's higher education etc.

ज़िम्मेदारीपूर्वक ऋण व्यवहार

हमें उन परिसंपत्तियों में निवेश करने के लिए ही ऋण लेना चाहिए जो मूल्य सृजन करती हैं या रिटर्न प्रदान करती हैं। एक अच्छे ऋण के उदाहरण हैं घर खरीदने के लिए बंधक ऋण, बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए शिक्षा ऋण, आदि।

To invest in property
संपत्ति में निवेश करें ✔

To fund education
शिक्षा को वित्तपोषित करना ✔

TFor personal expenditure
व्यक्तिगत व्यय ✔

Using credit card irresponsibly to fund expenses
खर्च के लिए क्रेडिट कार्ड का गैर-जिम्मेदाराना ढंग से उपयोग करना ✔

2. Deposit Accounts (जमा खाते)
Passive vs. Active Savings (निष्क्रिय बनाम सक्रिय बचत)

Money in regular Savings Bank accounts fetches very low rates of interest, hence can be termed passive savings.
नियमित बचत बैंक खातों में जमा धन पर ब्याज दर बहुत कम होती है, इसलिए इसे निष्क्रिय बचत कहा जा सकता है।

Instead, invest in Recurring/ Fixed Deposits of banks that fetch better returns.
इसके स्थान पर, बैंकों के आवर्ती / सावधि जमा में निवेश करें जो बेहतर रिटर्न प्रदान करते हैं।

What is nomination and why nominate?

A nominee is the person who is entitled to receive the money lying in the bank account (as a trustee of the legal heir/s of the deceased depositor) after the death of the depositor in single account and death of all depositors in case of a joint account. Nomination helps in quick settlement of claims and reduces hardship for surviving family members.

"Always fill up the nomination form when you open a bank deposit account. Approach your bank to update your nomination details, when needed, and obtain acknowledgment."

नामांकन क्या है और नामांकन क्यों जरूरी है?

नामिती (नॉमिनी) वह व्यक्ति होता है जिसे एकल खाते में जमाकर्ता की मृत्यु और संयुक्त खाते के मामले में सभी जमाकर्ताओं की मृत्यु की स्थिति में बैंक खाते में रखे हुए धन को प्राप्त करने का अधिकार होता है (मृतक के कानूनी उत्तराधिकारी के ट्रस्टी के रूप में)। नामांकन होने से दावों के शीघ्र निपटान में मदद मिलती है और जीवित परिवार के सदस्यों की कठिनाइयां कम हो जाती हैं।

"बैंक जमा खाता खोलते समय हमेशा नामांकन फॉर्म भरें। आवश्यकतानुसार अपने नामांकन विवरण को अपडेट करने और पावती प्राप्त करने के लिए अपने बैंक से संपर्क करें।"

3. Credit Scores (क्रेडिट स्कोर)

What exactly is a Credit Score? (क्रेडिट स्कोर वास्तव में क्या है?)

- Credit Score (a three digit number) indicates a borrower's creditworthiness and is typically based on his/her credit history and other factors
- It is given along with Credit Information Report issued by a Credit Information Company
- Credit Score would be higher in case the borrower has always repaid loans taken from banks/financial institutions on time
- क्रेडिट स्कोर (तीन अंकों की संख्या) किसी भी उधारकर्ता की साख को इंगित करता है और आमतौर पर उसके ऋण इतिहास (क्रेडिट हिस्ट्री) और अन्य कारकों पर आधारित होता है।
- यह क्रेडिट इन्फोर्मेशन कंपनी द्वारा जारी क्रेडिट सूचना रिपोर्ट के साथ दिया जाता है।
- क्रेडिट स्कोर उस स्थिति में अधिक होगा जब उधारकर्ता ने हमेशा बैंकों / वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋण को समय पर चुकाया है।

Why is Credit Score important?

- Banks / Financial institutions ascertain/check your credit score and credit history, along with other factors, while sanctioning your loans.
- All other things remaining the same, a borrower with a higher credit score will usually be able to borrow at a lower rate of interest.

क्रेडिट स्कोर महत्वपूर्ण क्यों है?

- बैंक/वित्तीय संस्थान आपके ऋण को मंजूरी देते समय अन्य कारकों के साथ-साथ आपके क्रेडिट स्कोर और ऋण इतिहास (क्रेडिट हिस्ट्री) की जाँच करते हैं।
- अन्य सभी चीजें समान रहने पर, उच्च क्रेडिट स्कोर वाला उधारकर्ता आमतौर पर कम ब्याज दर पर ऋण लेने में सक्षम होगा।

4. New Categories of Banks and Business Correspondents

4. बैंकों की नई श्रेणियाँ और कारोबार प्रतिनिधि

In recent years, other than conventional banks, certain other categories of banks have come into existence like Payments Banks and Small Finance Banks. Key objective of setting up of both types of banks is to promote greater financial inclusion through a secured, technology driven environment.

हाल के वर्षों में, पारंपरिक बैंकों के अलावा, बैंकों की कुछ अन्य श्रेणियां जैसे भुगतान बैंक और लघु वित्त बैंक अस्तित्व में आयी हैं। दोनों प्रकार के बैंकों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य एक सुरक्षित, प्रौद्योगिकी आधारित वातावरण के माध्यम से बेहतर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है।

Payments Banks

- Can hold demand deposits from public up to ₹2 lakh per customer but cannot accept recurring/fixed deposit
- Can issue ATM/Debit Cards but not Credit Cards
- Cannot give any loans and advances

भुगतान बैंक

- जनता से प्रति ग्राहक 2 लाख रुपये तक की मांग जमा रख सकते हैं, लेकिन आवर्ती/ सावधि जमा स्वीकार नहीं कर सकते हैं।
- एटीएम/डेबिट कार्ड जारी कर सकते हैं लेकिन क्रेडिट कार्ड नहीं
- कोई ऋण और अग्रिम नहीं दे सकते हैं

Small Finance Banks

Small Finance Banks provide savings vehicle primarily to unserved and underserved sections of the population and extend small ticket loans (Atleast 50% of SFB's loan portfolio has to constitute loans and advances up to ₹25 lakh) to small business units, micro and small enterprises, small and marginal farmers, entities in the unorganised sectors, through high technology low-cost operation

लघु वित्त बैंक

लघु वित्त बैंक मुख्यतः वंचित और अल्पसेवित वर्गों को बचत विकल्प प्रदान करते हैं और छोटी व्यवसाय इकाइयों, सूक्ष्म और लघु उद्यमों, छोटे और सीमांत किसानों, असंगठित क्षेत्रों की संस्थाओं को उच्च प्रौद्योगिकी आधारित कम लागत वाले परिचालन के माध्यम से छोटे आकार के ऋण (एसएफबी के ऋण पोर्टफोलियो के कम से कम 50% में 25 लाख रुपये तक के ऋण और अग्रिम होने चाहिए) प्रदान करते हैं।

- Small business units (लघु व्यवसाय इकाइयाँ)
- Micro and small enterprises (सूक्ष्म और लघु उद्यम)
- Small and marginal farmers (छोटे और सीमांत किसान)
- Entities in the unorganized sector (असंगठित क्षेत्रों की संस्थाएं)

5. Inoperative Accounts (निष्क्रिय खाते)

What is an Inoperative Account?

A savings/ current account shall be treated as inoperative, if there are no 'customer induced transactions' in the account for a period of over two years.

निष्क्रिय खाता क्या है?

यदि दो वर्ष से अधिक की अवधि के लिए खाते में कोई 'ग्राहक प्रेरित लेनदेन' नहीं होता है, तो उस बचत/चालू खाते को निष्क्रिय माना जाएगा।

Why 'inoperative accounts' have been segregated from other accounts?

Inoperative accounts are segregated from other accounts to reduce the risk of frauds and to bring to the attention of dealing bank staff the increased risk in the account.

'निष्क्रिय खातों' को अन्य खातों से अलग क्यों किया गया है?

धोखाधड़ी के जोखिम को कम करने और खाते में बढ़ते जोखिम को बैंक कर्मचारियों के ध्यान में लाने के लिए निष्क्रिय खातों को अन्य खातों से अलग किया जाता है।

What is the process for activating an inoperative account?

- Banks have been advised to make available the facility of updation of KYC for activation of inoperative accounts/ unclaimed deposits at all branches (including non-home branches) and through Video Customer Identification Process (V-CIP) if requested by the account holder, subject to the facility of V-CIP being provided by the bank. The customers can accordingly approach the nearest bank branch concerned.
- The banks have to activate the inoperative account within three working days adhering to the KYC guidelines prescribed by RBI such as Customer Due Diligence (CDD), customer identification, risk categorisation, etc.
- The banks are also required to automatically intimate the inoperative account/ unclaimed deposit holders though SMS and registered email stating that on the basis of the KYC documents submitted by them, the inoperative status of the account has been removed.

निष्क्रिय खाते को सक्रिय करने की प्रक्रिया क्या है?

- बैंकों को सलाह दी गई है कि वे सभी शाखाओं (नॉन-होम-ब्राँच सहित) में निष्क्रिय खातों/अदावी जमा को सक्रिय करने के लिए केवाईसी को अद्यतन करने की सुविधा उपलब्ध कराएं और खाताधारक द्वारा अनुरोध किए जाने पर वीडियो-ग्राहक पहचान प्रक्रिया (वी-सीआईपी) के माध्यम से उपलब्ध कराएं। खाताधारक, (बैंक द्वारा प्रदान की जा रही वी-सीआईपी की सुविधा के अधीन) ग्राहक तदनुसार निकटतम बैंक शाखा से संपर्क कर सकते हैं।
- बैंकों को आरबीआई द्वारा निर्धारित केवाईसी दिशानिर्देशों जैसेः ग्राहक के सम्बन्ध में समुचित सावधानी प्रक्रिया (सीडीडी), ग्राहक पहचान, जोखिम वर्गीकरण इत्यादि का पालन करते हुए तीन कार्य दिवसों के भीतर निष्क्रिय खाते को सक्रिय करना होगा।
- बैंकों को निष्क्रिय खाते/अदावी जमा धारकों को एसएमएस और पंजीकृत ईमेल के माध्यम से स्वचालित रूप से सूचित करना आवश्यक है कि उनके द्वारा प्रस्तुत केवाईसी दस्तावेजों के आधार पर, खाते की निष्क्रिय स्थिति हटा दी गई है।

Are there any charges for activation of inoperative account?

There are no charges for activation of inoperative account.

क्या निष्क्रिय खाते को सक्रिय करने के लिए कोई प्रभार है ?

निष्क्रिय खाते को सक्रिय करने के लिए कोई प्रभार नहीं है।

Whether interest is paid on inoperative savings bank account?

Interest on savings bank accounts is credited on regular basis irrespective of whether the account is operative or not. If a Fixed Deposit Receipt matures and proceeds are unpaid, the amount left unclaimed with the bank shall attract rate of interest as applicable to savings account or the contracted rate of interest on the matured fixed deposit, whichever is lower.

क्या निष्क्रिय बचत बैंक खाते पर ब्याज दिया जाता है?

बचत बैंक खातों पर ब्याज नियमित आधार पर जमा किया जाता है, भले ही खाता सक्रिय हो या नहीं। यदि कोई सावधि जमा रसीद परिपक्व हो जाती है और प्राप्त राशि का भुगतान नहीं किया जाता है, तो बैंक के पास पड़ी अदावी राशि पर बचत खाते पर लागू ब्याज दर या परिपक्व सावधि जमा पर अनुबंधित ब्याज दर, जो भी कम हो, लागू होगी।

Whether the information on inoperative accounts is available on bank's website?

Banks have to display the list of unclaimed deposits/inoperative accounts which are inactive / inoperative for ten years or more on their respective websites. A search facility is also provided by banks to members of public to search the list of accounts by name of the account holder. The customers can also use the search facility provided by RBI on UDGAM portal (https://udgam.rbi.org.in/ unclaimed-deposits/#/login) for searching their unclaimed deposits transferred by banks to RBI's Depositor Education and Awareness (DEA) Fund. This search facility is presently available for 30 banks as listed here (https://www.rbi. org.in/Scripts/BS_PressReleaseDisplay. aspx?prid=56498).

क्या निष्क्रिय खातों की जानकारी बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध है?

बैंकों को अपनी संबंधित वेबसाइटों पर उन अदावी जमा/निष्क्रिय खातों की सूची प्रदर्शित करनी होगी जो दस साल या उससे अधिक समय से निष्क्रिय हैं। खाताधारक के नाम से खातों की सूची खोजने के लिए बैंकों द्वारा जनता को खोज सुविधा भी प्रदान की जाती है। ग्राहक आरबीआई के जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि डीईए फंड में बैंकों द्वारा हस्तांतरित की गई अपनी अदावी जमा राशि की खोज UDGAM पोर्टल (https://udgam.rbi.org.in/unclaimed-deposits/#/login) पर RBI द्वारा प्रदान की गई खोज सुविधा का भी उपयोग कर सकते हैं। यह खोज सुविधा वर्तमान में यहां सूचीबद्ध 30 बैंकों के लिए उपलब्ध है (https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_Press Release Display.aspx?prid=56498)